ओमशान्ति मीडिया

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष -25 | मार्च - II - 2023 | अंक - 24 | माउण्ट आबू | Rs.-12

शुभारंभ : ब्रह्माकुमारीज़ और भारत सरकार के जल शक्ति मंत्रालय के अभियान का प्रधानमंत्री ने किया वर्चुअल शुभारंभ

प्रधानमंत्री ने कहा - जल बचाने के साथ उन विकृतियों को भी दूर करना होगा, जो जल प्रदूषण को बढ़ाती हैं

शांतिवन। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि भारत की आध्यात्मिक संस्थाओं की जल अभियान में बड़ी भूमिका है। बीते दशकों में हमारे यहां एक नकारात्मक सोच बन गई थी कि हम जल संरक्षण और पर्यावरण जैसे विषयों को मुश्किल मानकर छोड़ देते थे। यह सोचते थे कि यह काम नहीं किया जा सकता। बीते आठ साल में यह मानसिकता बदली है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राजस्थान के आबू रोड स्थित ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के शांतिवन के डायमण्ड हॉल में 'जल जन अभियान' का वर्चुअल शुभारंभ करते हुए कहा कि 'नमामि गंगे' अभियान, आज देश के विभिन्न राज्यों के लिए एक मॉडल बनकर उभरा है। आज न केवल गंगा साफ हो रही है बल्कि उनकी तमाम सहायक नदियां भी स्वच्छ हो रही हैं। गंगा के किनारे प्राकृतिक खेती जैसे अभियान भी शुरु हुए हैं।

ब्रह्माकुमारीज़ और भारत सरकार के जल शक्ति मंत्रालय द्वारा चलाया जाएगा 'जल-जन अभियान'

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, जब भी मैं ब्रह्माकुमारीज़ के बीच आता हूँ, आपका स्नेह और अपनापन मुझे अभिभूत कर देता है। मेरा सम्बंध आपसे इसलिए भी खास है क्योंकि स्व से ऊपर उठकर सर्वस्व समर्पित करना आप सभी के लिए आध्यात्मिक साधना का स्वरूप रहा है। आप सबके बीच आना, सीखना, समझना हमेशा से मेरे लिए एक सुखद अनुभव रहा है।

- *08 माह तक देशभर में चलाया जाएगा जल जन अभियान*
- *10 लाख भाई-बहनें बनेंगे अभियान के सारथी*
- *10 हज़ार कार्यक्रम करने का रखा लक्ष्य*
- *10 करोड़ लोगों तक जागरुकता संदेश पहुंचाने का लक्ष्य*
- *5000 जलाशय, कुएं, बावड़ी के संरक्षण का लक्ष्य*
- *50 हज़ार गीता पाठशालाएं जुड़ेंगी*

जल रहेगा तभी कल रहेगा

मोदी ने कहा कि आज़ादी के अमृत काल में आज देश जल को कल के रूप में देख रहा है। जल रहेगा, तभी आने वाला कल भी रहेगा। इसके लिए हमें मिलकर आज से ही प्रयास करने होंगे। उन्होंने संतोष जताते हुए कहा कि जल संरक्षण के संकल्प को देश अब एक जन अभियान के रूप में आगे बढ़ा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि ये अभियान एक ऐसे समय में शुरु हो रहा है, जब

हवा, पानी जो परमात्मा ने हमें दी है उसकी कदर करना सीखें

सुप्रसिद्ध अभिनेता पद्मश्री नाना पाटेकर ने कहा कि मैं आज गांव में रहता हूँ लेकिन जब किसी काम से शहर जाना होता है तो मेरा दम घुटने लगता है। हमें आबादी बढ़ने से रोकना होगा, क्योंकि हमारे पास संसाधन सीमित हैं। पानी के बिना जीवन अधूरा है। जो चीज़ हमारे पास है उसकी कीमत नहीं है। वेंटीलेटर पर दो दिन रहो तो हम सात लाख का बिल भर देते हैं लेकिन हवा, पानी जो हमें भगवान ने फ्री में दिया है उसकी हम वैल्यू नहीं कर रहे हैं। मेरा प्रयास रहेगा कि अपने स्तर पर मैं जल संरक्षण की दिशा में जो कुछ कर सकूं, वो कार्य मैं अवश्य करूंगा।

50 साल पूर्व प्रति व्यक्ति 5000 क्यूबिक पानी था जो आज 1500 क्यूबिक मीटर ही मात्र रह गया : गजेंद्र सिंह शेखावत

केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि हम दुनिया में तेज़ी से बढ़ने वाली आबादी हैं। हम मानसून के सिर्फ 40-42 दिन बारिश के पानी पर सारा साल निर्भर होते हैं। हम बारिश से मात्र 300 मिलियन क्यूबिक मीटर पानी ही रोक पा रहे हैं। वर्तमान में देश में 750-800 मिलियन क्यूबिक मीटर पानी की आवश्यकता है। पचास साल पहले हमारे देश में प्रत्येक व्यक्ति के लिए 5 हज़ार क्यूबिक मीटर पानी उपयोग के लिए उपलब्ध रहता था जो आज घटकर 1500 क्यूबिक मीटर रह गया है। दुनिया में जितना पीने योग्य पानी है उसका चार फीसदी पानी ही भारत में है और दुनिया की 18 फीसदी आबादी है।

पानी की सुरक्षा में ही भविष्य सुरक्षितः युवराज लक्ष्यराज सिंह

उदयपुर से आये मेवाड़ घराने के महाराज कुमार लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने कहा कि हमारे पूर्वजों ने उस समय जल संरक्षण के लिए कई उपाय किए। 21वीं शताब्दी हिंदुस्तान की होगी। लेकिन उसका रास्ता और कहीं से नहीं इसी सोच से गुज़रता है। ब्रह्माकुमारीज़ और जलशक्ति मंत्रालय जो काम कर रहा है वह दुनिया को बनाने का काम है। यदि हमें विश्व पर राज करना है तो सभी को फिर से एक होने की ज़रूरत है।

पानी की कमी को पूरे

- शेष पेज 4 पर...